५०२/२००

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - ६ जून, २०१०)

(समय : दोपहर २:०० से ४:१५)

सत्संग परिचय - २

सूचना : प्रश्न के बाद में दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं । **कुल गुण : ७५**

विभाग-१ : किशोर सत्संग परिचय - प्रथम संस्करण, फरवरी - १९९९

प्र.१ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''आग लगा दे इसे ।'' (५७)

२. ''इस लोक से उपर हैं ।'' (१०२)

३. ''यदि कुशल रहे तो हम महाराज के सामने गढ़डा में मिलेंगे ।'' (७७)

प्र.२ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) [६]

१. गुजरात की राजधानी अहमदाबाद में अक्षरपुरुषोत्तम का जय जयकार हुआ । (३२)

२. श्रीजीमहाराज डडुसर से शीध्रता से चले गए । (९-१०)

३. रामप्रतापभाई ने दामोदरभाई से कहा, अपनी सुरत मुझे कभी मत दिखाना । (४१)

प्र.३ 'विष्णुदास' (४५) - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** [५]

प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [५]

१. श्रीजीमहाराज ने कौन से छः मन्दिर का निर्माण करवाया ? (२३)

२. लक्ष्मीचंद सेठ के पास अंत में सदाव्रत लेने कोन आए ? (३७)

३. शास्त्रीजी महाराज ने बनवाये हुए पाँच मन्दिर के नाम लिखिए । (२९)

४. भूतप्रेत आदि का उपद्रव होने पर क्या करना चाहिए ? (४)

५. काठियों ने बरछी उठाई तब क्या हुआ ? (११)

प्र.५ 'हीरा किसी रीति से.....' (८५) - **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण कीजिए ।** [५]

प्र.६ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । [८]

१. थाय स्मृति रे ..... प्रेमानन्द गावे । (६५)

२. अति दयालु रे, ... अति आकला थाये । (६७)

३. आहारनिद्रा ..... पशुभिः समानाः ॥ (९७)

४. करुणामय-चारु ..... भजे सदा । (३४) - **श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।**

विभाग-२ : प्रागजी भक्त - प्रथम संस्करण, नवम्बर - १९९८

प्र.७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''अब तो मैं निवृत्त हो गया हूँ, मैं पेन्शन पर हूँ ।'' (२३)

२. ''अब तुम्हारा यह कर्तव्य है कि जो आनन्द तुम्हें प्राप्त है, वह दूसरो को भी प्राप्त कराओ ।'' (६०)

३. ''मेरी आँखों के सामने मैं तुम्हारा अपमान नहि होने दूँगा । मैं कैसे सहन कर सकता हूँ ?'' (२९)

प्र.८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) [६]

१. प्रागजी भक्त ने माता की साड़ी का मूल्यवान लेस बेच दिया । (३)

२. श्रीजीमहाराज शास्त्री यज्ञपुरुषदासजी जैसे परम एकान्तिक संत में प्रगट हैं । (६२)

३. महापुरुषदास ने अपने आपको पूर्णतः भगवान के भजन में डुबा दिया । (३७)

प्र.९ 'वांसदा के दीवान के साथ सत्संग ।' (४६) - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** [५]

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [५]

१. प्रागजी भक्त पहली बार किस के साथ जूनागढ़ गए ? (६)

२. चांदनी देखकर गुणातीतानन्द स्वामी क्या बोले ? (३३)

३. सच्चा ज्ञान किसे कहते हैं ? भगतजी महाराज के उपदेश के आधार पर जवाब दिजिए । (५४)

४. प्रागजी भक्त स्वामी की बैलगाड़ी की करीब क्यों नहीं जा सकते थे ? (२९)

५. नड़ियाद में बारोट भक्त को फटकारते हुए भगतजी ने क्या कहा ? (३८)

(पृष्ठ पलटिये)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर ''**सत्संग परिचय-२**'' परीक्षा दी है। निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो ।

दिनांक महीना साल

परीक्षार्थी का जन्म दिन :- ☐☐ ☐☐ ☐☐☐☐

परीक्षा दिनांक और परीक्षा का समय :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें । सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा दे । (अपूर्ण विवरणवाली उपस्थिति स्लीपें मान्य नहि होंगी ।)

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **[६]**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहि दिया जाएगा ।

१. सत्संग से निष्कासित । (३१)

(१) ☐ भंडारी ने भगतजी को खाने के लिए विष के लड्डू दिए ।

(२) ☐ अयोध्याप्रसादजी को महाराज ने कहा, 'प्रागजी भक्त को सत्संग में वापस ले रहे हैं ।'

(३) ☐ आचार्य महाराज ने घोषणा की 'प्रागजी को निष्कासित किया गया है, न कि इनके दाल और चावल को ।'

(४) ☐ पवित्रानन्द स्वामी ने घोषणा की 'प्रागजी को निष्कासित किया गया है, न कि इनके दाल और चावल को ।'

२. शिष्य की योग्यता की परीक्षा । (१०)

(१) ☐ प्रागजी भक्त ने लगातार दो दिन तक उपवास और तीसरे दिन एक समय खाना, ऐसा महातप प्रारम्भ किया ।

(२) ☐ प्रागजी भक्त गिरनार को बुलाने गए ।

(३) ☐ भगतजी ने छः मास तक नाई के रूप में सेवा की ।

(४) ☐ स्वामी के कहने से गोरख-आसन में घण्टे दो घण्टे सोते थे ।

३. ऐश्वर्य दर्शन । (६२)

(१) ☐ भगतजी महाराज ने हाथ फेरकर कुत्ते के काटने का दर्द छू-मंतर कर दिया ।

(२) ☐ हैजा के रोग को ठीक करने के लिए भगतजी महाराज ने गोपीनाथदेव को थाल करने की आज्ञा की ।

(३) ☐ कानजी दरजी को तीन वर्ष तक श्रीजीमहाराज और स्वामी की मूर्ति अखंड दिखाई देती थी ।

(४) ☐ भगतजी महाराज ने एक दूसरे के अंगूठे पकडाकर सभी को क्षण भर में वरताल पहुँचा दिए ।

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । **[६]**

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उदाहरण : जूनागढ में अपूर्व सम्मान : जूनागढ के अमीन हरिभक्त आचार्य जटाशंकर ने अपने शिष्य मणीलाल भट्ट से कहा, ''यह जागा भक्त जैसे चमार खाँट के ऊपर बैठे हैं और आचार्य उसे दण्डवत् करते हैं ।''

उत्तर : जूनागढ में अपूर्व सम्मान : जूनागढ के **नागर** हरिभक्त **डॉ. उमियाशंकर** ने अपने **गुरु बालमुकुन्ददासजी** से **पूछा**, ''यह **प्रागजी भगत** जैसे **दरजी गद्दी के** ऊपर बैठे हैं और **संत** उसे दण्डवत् करते हैं ।''

१. **निष्कासन वापस लिया :** मध्यप्रदेश में यज्ञपुरुषदासजी को सम्प्रदाय का विस्तार करने में अद्‌भुत सफलता मिली । कुछ मुमुक्षुओं को ध्यान में गुणातीतानन्द स्वामी के साथ साथ जागा स्वामी के भी दर्शन हुए । (४५)

२. **सत्संग में कुसंग :** गढ़डा में चैत्र की पूनम के उत्सव में गुणातीतानन्द स्वामी ने नित्यानन्द स्वामी के सेवक साधु हरिस्वरूपदासजी को हार पहनाया । (३०)

३. **साक्षात्कार :** श्रीजीमहाराज द्वारा प्रागजी भक्त को दो वर्ष पहले दिए गए वचन को पूरा किया । (२२)

४. **सद्‌गुरु गोपालानन्द स्वामी का संग :** प्रागजी भक्त ने सुरत जाकर दरजी का काम सिख लिया और आचार्य महाराज के लिये सुन्दर मोजे और अंगरखा बनाया । (५)

५. **शास्त्री यज्ञपुरुषदासजीने भगतजी को गुरु स्वीकार किया :** यज्ञपुरुषदासजी ने भगतजी की आज्ञा से विज्ञानदास को श्रीजीमहाराज के चरणारविंद दे दिए । (३८)

६. **अन्तिम लीला :** भगतजी महाराज के पंचभौतिक देह का अग्नि संस्कार घेला नदी के तट पर फूलचन्द सेठ की वाड़ी में किया गया । (६२)

* * *

सूचना : इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ४ जुलाई, २०१० के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें । मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पनों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहि होंगे ।